महावीर मन्दिर समाचार

मन्दिर समाचार (जुलाई, 2021)

महावीर वात्सल्य अस्पताल में बच्चों के लिए 90 ऑक्सीजन बेड का विशेष वार्ड का उद्घाटन

दिनांक 7 जुलाई, 2021 ई० को महावीर मन्दिर न्यास द्वारा संचालित बच्चों के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल महावीर वात्सल्य अस्पताल में 90 ऑक्सीजन बेड का विशेष वार्ड बुधवार को शुरू हो गया। माननीय स्वास्थ्यमन्त्री मंगल पांडेय ने फीता काटकर औपचारिक उद्घाटन किया। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए महावीर वात्सल्य अस्पताल में इस विशेष वार्ड की शुरुआत की गयी है। नवजात शिशुओं के लिए 30 ऑक्सीजन बेड और बच्चों के लिए 60 ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था की गई है। उद्घाटन समारोह में आचार्य किशोर कुणाल ने कहा कि महावीर मन्दिर न्यास के अस्पताल कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए जाने जाते हैं। महावीर वात्सल्य अस्पताल बच्चों के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में देश के दस प्रमुख अस्पतालों में शुमार है। सम्भावित तीसरी लहर में बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को देखते हुए यहाँ विशेष इंतजाम किए गए हैं।

महावीर वात्सल्य अस्पताल के निदेशक डॉ एस एन सिन्हा ने बताया कि अस्पताल में पहले से ही बच्चों के लिए 20 वेंटिलेटर बेड हैं। समय से पूर्व जन्मे बच्चों के लिए 20 बेड का अत्याधुनिक वार्ड बनकर तैयार हो चला है। अभी 90 ऑक्सीजन बेड बच्चों को किसी भी परिस्थिति में इलाज के लिए तैयार किए गए हैं। इस मौके पर सहयोगी संस्था "एसोसिएशन ऑफ 41 क्लब्स ऑफ इंडिया" के नेशनल अंबेसडर पद्माशीष प्रसाद ने बताया कि महावीर वात्सल्य अस्पताल समेत देश के दूसरे अस्पतालों में 2.6 करोड़ रुपये की लागत से बच्चों के लिए कुल 215 बेड तैयार किए गए हैं।

शेष आवरण पृष्ठ 2 पर

महावीर मन्दिर समाचार, पृ. सं. 78 से जारी

महावीर हार्ट हॉस्पीटल में चार बच्चों के हृदय में जन्मजात छेद का नि:शुल्क ऑपरेशन

तीन साल की पुत्री के हृदय में तीन छेद थे, बंद किए गए

महावीर मन्दिर न्यास द्वारा संचालित महावीर हार्ट हास्पीटल में चार बच्चों के हृदय में जन्मजात छेद का नि:शुल्क ऑपरेशन किया गया। इनमें चार महीने का शमीम सबसे छोटा बच्चा था। महावीर हार्ट हास्पीटल के निदेशक और दिल्ली एम्स के पूर्व सर्जन डॉ किशोर जोशी ने बताया कि नरकटियागंज के रहने वाले शमीम के हृदय में दो छेद थे। इस वजह से उसका शारीरिक विकास नहीं हो पा रहा था। काफी कठिन ऑपरेशन के जरिए इसके हृदय के दोनों छेद बंद किए गए। दो साल की नैंसी के हृदय में भी दो छेद थे। फेफड़े में ब्लॉकेज के कारण उसका शरीर नीला पड़ गया था। उसके हृदय का छेद बंद करने के साथ फेफड़े में ब्लॉकेज को ऑपरेशन के जरिए ठीक किया गया। वहीं महावीर हार्ट हास्पीटल में भर्ती तीन साल की पुची के हृदय में तीन छेद बन्द किए गए। उसके फेफड़े की रुकावट को भी ऑपरेशन के जरिए दूर किया गया। जबकि चार साल की अंबी के हृदय में जन्मजात छेद के अलावा उसके फेफड़े की नसें उल्टी थीं। ओपन हार्ट सर्जरी के जरिए छेद बन्द करने के साथ फेफड़े की नसों को सीधा किया गया। डॉ किशोर जोशी ने बताया कि सभी बच्चे ऑपरेशन के बाद अब ठीक हैं।

महावीर मन्दिर के पूर्वी द्वार पर ऑक्सीजन के सिलिंडर। यहाँ जरूरतमंद लोग निःशुल्क प्राप्त करते हैं। कोरोना संकट के समय महावीर मन्दिर जनहित के कार्यों के लिए हमेशा कटिबद्ध है।